

भास्कर पुं. (तत्.) 1. दिनकर, सूर्य 2. सुवर्ण 3. अग्नि 4. शिव।

भास्वत् पुं. (तत्.) 1. चमकता हुआ 2. सूर्य 3. चमकने वाला।

भास्वर वि. (तत्.) चमकने वाला, ज्योतिष्मान।

भिंडी स्त्री. (देश.) एक पौधे की फली जो सब्जी के रूप में खाई जाती है।

भिंदिपाल पुं. (तत्.) लोहे की छड़ के समान पुराने काल का एक अस्त्र।

भिक्षा स्त्री. (तत्.) 1. भीख, मांग, याचना 2. दीनतापूर्वक माँगना।

भिक्षाचर पुं. (तत्.) 1. भिक्षाटन करके उदर पूर्ति करके जीवनयापन करने वाला, साधु-संत, भिक्षु 2. भिखारी।

भिक्षापात्र पुं. (तत्.) 1. भिक्षा ग्रहण करने का पात्र अथवा कमंडल 2. भिक्षा लेने के उपयुक्त अधिकारी, त्यागी, संन्यासी आदि।

भिक्षार पुं. (तत्.) 1. भिक्षा माँगते हुए इतस्ततः घूमना 2. भीख मांगने के क्रम में भटकना।

भिक्षार्ह वि. (तत्.) 1. भिक्षा प्राप्त करने का अधिकारी 2. भिक्षा के लिए योग्य व्यक्ति।

भिक्षु वि. (तत्.) 1. भिक्षा माँगने वाला संन्यासी 2. बौद्धभिक्षु या संन्यासी 2. भिक्षा या भीख माँगने वाला पुरुष।

भिक्षुक पुं. (तत्.) भिखारी, भीख चाहने वाला।

भिखमंगा पुं. (तद्.) 1. भीख मांग कर जीवन बिताने वाला भिखारी 2. अधिकतर दूसरों से चीजें मांग कर अपना काम निकालने वाला।

भिखारिणी स्त्री. (तद्.) भीख मांगने वाली स्त्री, भिखारिन।

भिखारिन स्त्री. (तद्.) दे. भिखारिणी।

भिखारी पुं. (तद्.) 1. भीख मांगकर पेट भरने वाला 2. अत्यंत गरीब 3. याचक, दरिद्र, कंगाल।

भिखुसंघ पुं. (तद्.) 1. बौद्धसंन्यासियों का संगठन या संघ 2. भिक्षुओं का समुदाय।

भिगोना स.क्रि. (तद्.) 1. पानी या द्रव पदार्थ डालकर किसी चीज को गीला करना 2. तर कर देना।

भिजवाना स.क्रि. (तद्.) भेजने का काम किसी दूसरे से कराना।

भिड़ स्त्री. (देश.) 1. बर या बिढ़नी 2. ततैया।

भिड़त स्त्री. (तद्.) 1. भिड़ने का भाव या क्रिया, टक्कर 2. वाद विवाद।

भितरिया वि. (तद्.) अंदरूनी, घर के अंदर आने जाने वाला, आंतरिक।

भितल्ला पुं. (देश.) दोहरे वस्त्र का भीतरी हिस्सा वि. अंदरूनी।

भित्ति स्त्री. (तत्.) 1. भीत, दीवार, आधार 2. चित्र बनाया जाने वाला आधार पदार्थ 3. टुकड़ा।

भिन्नक्रम वि. (तत्.) क्रम के बिना पुं. काव्य में 'क्रम भंग' दोष।

भिन्नता स्त्री. (तत्.) भिन्न होने का भाव, अलगाव, पृथकता, पृथक होने का भाव, भिन्न होने की अवस्था।

भिन्नरुचि वि. (तत्.) 1. अलग प्रकार की रुचि रखने वाला 2. लकीर से हट कर सोचने वाला।

भिन्नसेतु वि. (तत्.) मर्यादा रहित, नियम विहीन, अनुशासन रहित।

भिन्नस्वर पुं. (तत्.) 1. बदला हुआ स्वर, अलग आवाज 2. अनुमानित प्रतिक्रिया से भिन्न प्रतिक्रिया 3. संगीत में बेसुरा स्वर।

भिन्नहृदय वि. (तत्.) 1. जिसका हृदय अत्यंत दुखी हो, विषाद ग्रस्त 2. भिन्न प्रकार के भाव और विचार रखने वाला।

भिन्नात्मक वि. (तत्.) गणि. वह संख्या जिसमें एक से कम का अंश संलग्न हो, गणित में एक से कम के अंश को 'भिन्न' कहा जाता है जैसे- 1/2, 3/4, 2/5 आदि। fractional